>

Title: Need to restore road network and construct Trolley ropeways in the hill regions of Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं इस सदन का ध्यान दैवीय आपदा से जूझ रहे उत्तराखंड राज्य की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। राज्य में आई भीषण दैवीय आपदा ने पूरे देश और निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। अनेक गांव, सड़कें, बाजार, पुल, मोबाइल टावर, पशु और व्यक्ति इस आपदा में बह गए। सड़कों व पुलों के बह जाने के कारण सैकड़ों गांव मुख्य मार्गों से कट गए हैं जिससे वहां खाद्यान्न और अन्य दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। पुलों के निर्माण में समय लगेगा तब तक यदि रोप व ट्रालियां लगा दी जायें तो खाद्यान्न व प्रसूति महिलाओं को स्वास्थ्य केन्द्र तक लाया जा सकेगा।

पौड़ी जिले के चौथानी, नलई, मुलुण्ड, मलगांव, बागवान, चमोली जिले के भूरागाड, हरमल, सुकुलीगाड़, चेपड्डियों, हरमनी पुराना बाजार (नारायणबगड़ ब्लॉक) पुराना बाजार (नन्द प्रयोग) तथा रूद्रप्रयाग जिले के कालीकठ, चन्द्रापुरी, सिल्ली, माई की मंडी तथा मलयासू पट्टी भरदार में शीघ्र ही रोप व ट्राली लगाई जानी आवश्यक है। इसके साथ-साथ रूद्रप्रयाग से गौरीकुण्ड, तिलवाड़ा से गौरीकुण्ड तथा बद्रीनाथ से जोशीमठ तक सड़कों का निर्माण युद्धस्तर पर करवाया जाना चाहिए।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह बी.आर.ओ. व सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को निर्देशित करे कि वे आपदाग्रस्त उत्तराखंड राज्य में शीघ्र ही ट्राली रोप वे और राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करें।